पद २८३

(राग: पिलु जिल्हा - ताल: दीपचंदी)

सांवरियासे बताव मोरी सजनी। जाको धुंडत गयी दिनरजनी।।ध्रु.।। मोरमुगुट गले बैजयंती। कानोंमें कुंडल झलकत मोती।।१।। खांदे कांबरी हातबीच मुरली। जाको भूल गई राधिका सैली।।२।। मानिकप्रभु नंदलाला। पगमें पैंजन घुंगुरुवाला।।३।।